मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली, ठाणे, पालघर, राजस्थान, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी, जौनपुर, भदोही, रायबरेली, प्रतापगढ़, आजमगढ़, अहमदाबाद, मेरठ में वितरित

मेट्रो दिनांक

राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक

महाराष्ट्र सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

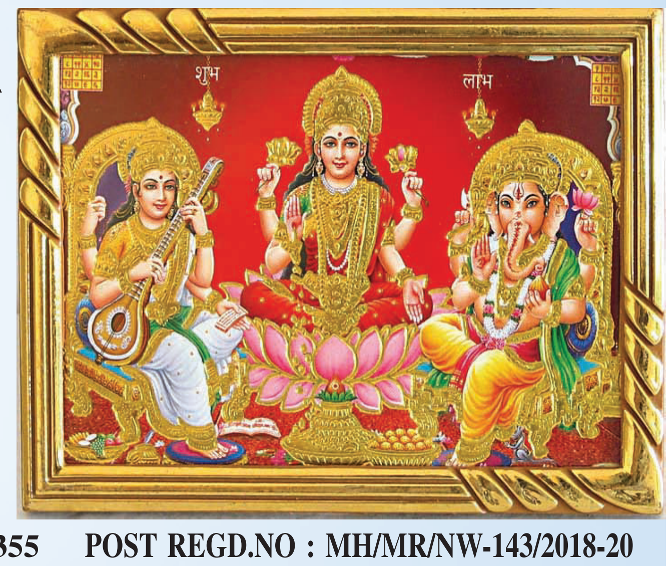

संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी

Website : www.metrodinank.com
Email : metrodinank@gmail.com

RNI No. : MAHHIN/2009/35355 POST REGD.NO : MH/MR/NW-143/2018-20

वर्ष : ०९ अंक :३० मुंबई, शुक्रवार, १० मई से १६ मई २०१९ पृष्ठ : ४ कीमत : दो रुपये

संक्षिप्त समाचार

विरार-नालासोपारा में दो बच्चों का अपहरण

विरार: चंदनसार रोड, आरटीओ कार्यालय के पास स्थित एक चॉल से साढ़े ३ साल की बच्ची का अपहरण हो गया। जानकारी के अनुसार, दीपा संजय चौधरी (२६) ने शिकायत दर्ज कराई कि उसकी बेटी इशानी घर के बाहर खेल रही थी। इस दौरान, कातकारीपाडा का रहने वाला परिचित युवक अजय जाधव उसे अपनी ऐक्टिवा से लेकर फरार हो गया। इसी तरह, नालासोपारा (पूर्व) के नागिनदास पाडा स्थित रोज अपार्टमेंट निवासी अरमान रनदीप सिंह (८) मंगलवार की सुबह घर पर अकेला था। इस दौरान किसी अज्ञात शख्स ने उसका अपहरण कर लिया। परिजन ने अपहरण की शिकायत दर्ज कराई है।

फर्जी कंपनी खोलकर ६० लाख की ठगी

पालघर: वादविली इलाके में फर्जी कंपनी खोलकर ६० लाख रुपये की ठगी करने वाले ६ लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि इन्होंने लगभग ४ सौ गरीब मजदूरों को तरह-तरह की योजनाएं बताकर उनसे ठगी की है। फिलहाल, पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, काटाले निवासी रेणुका नरेश पागी (४२) ने पुलिस को बताया कि नंदन जगदेव म्हात्रे, जागृति नंदन म्हात्रे २०१० में उससे मिले। दोनों ने उसे सेल्वेशन ग्रुप कंपनी के चेयरमैन संजय नुन, डारेक्टर सतीश धरावी, देवराज राठौड़ व चंद्रकांत पवार से मुलाकात कराई। चारों ने थोड़ा-थोड़ा पैसा जमा करने को कहा और ४ सौ लोगों ठगकर भाग गए।

पीने लायक नहीं जूस : बीएमसी

मुंबई, बृहन्मुंबई महानगरपालिका का कहना है कि मुंबई में सड़क किनारे बिकने वाले जूस और अन्य पेय का ८१ प्रतिशत हिस्सा पीने के काबिल नहीं होता है। शहरी निकाय के स्वास्थ्य विभाग ने नींबू पानी, गन्ने का जूस और बर्फ का गोला बेचने वाले विभिन्न स्टालों का पिछले महीने निरीक्षण किया था। निकाय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया, "विभिन्न स्टॉलों से ९६८ नमूने लिए गए थे, इनमें से ७८६ (करीब ८१.१ प्रतिशत) पीने के काबिल नहीं थे।" उन्होंने कहा कि निकाय ने ऐसे अस्वास्थ्यकर पेय बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि निकाय लगातार ऐसे पेय बेचने वालों की निगरानी कर रहा है और दूषित पेय पदार्थों को नष्ट कर रहा है। हम लोगों के स्वास्थ के साथ कोई समझौता नहीं चाहते हैं।

बीच बचाव करने आई महिला की सिकड़ी छीनी

देहात कोतवाली क्षेत्र के लखमापुर निवासी साधना देवी ने रविवार को पुलिस को सूचना देकर कहा है कि इसी गांव में उसके पति को इसी गांव के कुछ लोग मारपीट रहे थे। वह बीच बचाव करने आई तो उसके गले से सोने की चेन छीनकर धमकी देते हुए चले गए। साथ ही उसके पति की घड़ी व मोबाइल भी लेते गए। साधना देवी का आरोप है कि शनिवार को उसके गांव में बरात आई थी। उसमें वह भी पति मनोज कुमार के साथ गई थी। एक कार्यक्रम के बाद तीन लोग पति को मारने लगे। वह बीच बचाव करने गई तो वे उससे लिपट गए और उसके गले से सिकड़ी निकाल लिया। उसके पति की घड़ी व मोबाइल भी ले गए। उसने इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी, पुलिस आई और उसने आश्वासन दिया कि उसका सामान मिल जाएगा लेकिन उसका सामान मिला नहीं। कार्रवाई की मांग की गई है।

बारिश के लिए तैयार नहीं BMC

मॉनसून में महानगर फिर बन सकता है समंदर!

दीनानाथ तिवारी

मुंबई : नाला सफाई के अधूरे कामों के चलते इस बार फिर मुंबई डूब सकती है। बीएमसी स्थायी समिति की बैठक में नगरसेवकों ने इस मुद्दे पर जमकर हंगामा किया। अध्यक्ष यशवंत जाधव ने सफाई के कार्यों में तेजी लाने के साथ ही पूरी रिपोर्ट अगली बैठक में पेश करने का आदेश दिया। गौरतलब है कि मुंबई में अभी भी नाला सफाई करीब ४० प्रतिशत ही हुई है। छोटे नालों की सफाई का काम बेहद धीमी गति से चल रहा है। इस काम को मई अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है। नेता प्रतिपक्ष रवि राजा ने नाला सफाई के मुद्दे पर प्रशासन को घेरते हुए कहा कि सायन, माटुंगा इत्यादि इलाकों में नाला सफाई का बुरा हाल है। प्रशासन सफाई का भारी-भरकम आंकड़ा जारी कर रहा है, लेकिन हकीकत में काम नजर नहीं आ रहा। नाले के कचरे के नाम पर डेब्रिज भी डंपिंग में भेजी जा रही है। नाला सफाई के नाम पर पैसों की कमाई हो रही है। समाजवादी पार्टी के ग्रुप नेता रईस शेख ने कहा कि मुंबई सेंट्रल और नागपाड़ा में प्रमुख रास्तों पर भी नाले का कचरा निकालकर रख दिया गया है। उसे उठाने वाला कोई नहीं है। ठेकेदार की निगरानी करने वाला कोई है ही नहीं। बाहर निकाला कचरा, फेंकने की जगह नहीं बीजेपी नगरसेविका राजश्री शिरवडकर ने भी इस मुद्दे पर किंगसर्कल के इलाकों में सफाई की बेहाली बयां की। शिरवडकर ने कहा कि कचरा बाहर निकालकर कर रख दिया गया है। उसे फेंकने के लिए कोई जगह ही नहीं मिल रही है। नगरसेवक परेशान हैं। सभागृह नेता विशाखा राऊत ने कहा कि सांताक्रुज और बांद्रा के नालों की अधिक सफाई करने की जरूरत है। गजधरबांध नाले में तो प्लास्टिक, डेब्री नजर आ रहे हैं। हम सब को इस संदर्भ में अधिक फोकस होकर काम करना होगा। मुंबई बीजेपी अध्यक्ष आशीष शेलार नाला सफाई के मुद्दे पर कमिश्नर अजोय मेहता से मिले। छोटे नालों, बॉक्स ड्रेन की सफाई का कई जगह तो काम शुरू ही नहीं हो पाया है। शेलार ने रेलवे और बीएमसी की संयुक्त दौरा कर जमीनी हकीकत देखने की अपील भी इस दौरान की। गौरतलब है कि रेलवे को ट्रैक के नीचे से गुजरने वाले क्लवर्ट की सफाई करनी होती है, जिसके एवज में बीएमसी उन्हें पैसे देती है। नाला सफाई समेत मॉनसून पूर्व के अन्य जरूरी कार्यों का जायजा लेते समय अधिकारियों को पूरा सहयोग देने का निर्देश अडिशनल म्युनिसिपल कमिश्नर डॉ. अश्विनी जोशी ने दिया। नेता प्रतिपक्ष रवि राजा ने असहयोग का मुद्दा उठाते हुए कहा कि नाला सफाई के दौरे के समय अधिकारी आचार संहिता का हवाला देते हुए उपस्थित नहीं होते। इस मुद्दे पर जोशी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ जनहित के कामों का जायजा लेते समय अधिकारियों को उपस्थिति रहने के लिए कहा जाएगा। गौरतलब है कि महापौर विश्वनाथ महाडेश्वर ने चुनाव आयोग से आचार संहिता में ढील देने का अनुरोध किया था, लेकिन अब तक आयोग की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है।

अब सरकार से विपक्ष तक सूखा राग 'अलाप'

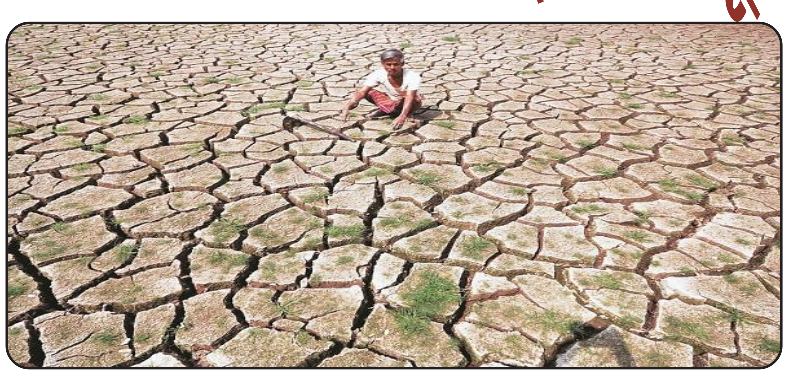

कर्ण हिंदुस्तानी

मुंबई : महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के चार चरणों में राज्य का सूखा मुख्य मुद्दा नहीं रहा। न तो सरकार ने इसे महत्व दिया और न विपक्ष इसे चुनाव में जोर-शोर से उठा पाया। चुनाव खत्म होते ही अब सरकार और विपक्ष को सूखाग्रस्त गांवों की याद आई है। गुरुवार को राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री ने सूखे की स्थिति और सूखे से निपटने के लिए किए जा रहे उपायों की समीक्षा की। सभी पालक मंत्रियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने-अपने जिलों में सूखे की स्थिति का जायजा लें। मंत्रिमंडल की बैठक में बताया गया कि वर्तमान में राज्य में १२ हजार ११६ सूखाग्रस्त गावों में ४ हजार ७७४ टैंकरों के जरिए पानी की आपूर्ति की जा रही है। जरूरत पड़ने पर टैंकरों की संख्या बढ़ाई भी जा सकती है। राज्य में अगर मॉनसून का आगमन देरी से होता है, तो पैदा होने वाली स्थिति से निपटने की तैयारी करने का निर्देश दिया गया।

बताया गया कि राज्य में सबसे ज्यादा टैंकर औरंगाबाद संभाग में चल रहे हैं। जायकवाडी बांध के पानी का उपयोग लोगों को पेय जल मुहैया के लिए किया जा रहा है। सूखा ग्रस्त क्षेत्र में १ हजार २६४ चारा छावनियां शुरू की गई हैं। इन चारा छावनियों में साढ़े आठ लाख जानवर हैं।

मंत्रिमंडल की बैठक में यह भी बताया गया कि सूखे से निपटने के लिए पैसा जिलाधिकारियों तक पहुंचा दिया गया है और इस पैसे का तेजी से वितरण का निर्देश दिया गया है। सूखे से प्रभावित ८२ लाख किसानों में से ६८ लाख किसानों के बैंक खातों में अब तक ४ हजार ४१३ करोड़ रुपये रकम जमा कराई जा चुकी है। किसानों को फसल बीमा योजना के मार्फत ३ हजार २०० करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाना है, इसमें से १ हजार १०० करोड़ रुपये का वितरण हो चुका है।

१६ हजार इमारतों का बारिश से पहले ऑडिट

मंजु तिवारी

मुंबई : मुंबई के १६ हजार उपकर प्राप्त खस्ताहाल इमारतों की समीक्षा की जाएगी। इस बार बारिश को देखते हुए खतरनाक और अत्यंत खतरनाक इमारतों की श्रेणी बनाने की बजाय सभी इमारतों की एक साथ समीक्षा होगी। मुंबई इमारत मरम्मत व पुनर्रचना मंडल ने इमारत के साथ ट्रांजिट कैंप में दिए गए घरों और पुनर्विकास के कार्यों की समीक्षा करने का निर्णय लिया है। हर साल बारिश से पहले म्हाडा इमारतों की समीक्षा कर खतरनाक इमारतों की सूची जारी करती है। इमारत के बाहर सूचना बोर्ड भी लगाए जाते हैं। पिछले साल म्हाडा ने १४ इमारतों को अत्यंत खतरनाक घोषित किया था। इस बार इमारतों का सर्वेक्षण शुरू है। ५० से अधिक साल के पुरानी इमारतों का हाल बहुत दयनीय है। ऐसे में मुंबई इमारत मरम्मत व पुनर्रचना मंडल के सभापती विनोद घोसालकर ने इमारतों की मरम्मत पर जोर दिया है।

शहर में उपकर प्राप्त इमारतों की संख्या १६ हजार है। इसकी रखरखाव और मरम्मत पूरी जिम्मेदारी म्हाडा की है। इसमें से कई इमारतों में बांबू लगाए गए हैं। खस्ताहाल इमारत के बावजूद लोग अपने घर को छोड़कर ट्रांजिट कैंप में जाने के लिए तैयार नहीं होते हैं। इसीलिए इमारतों का मरम्मत करने की जरूरत है।

बॉम्बे हाई कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

मेडिकल कॉलेजों में पीजी के लिए चालू सत्र में मराठा आरक्षण नहीं

राजकुमार सोनी

मुंबई : राज्य के मेडिकल कॉलेजों में पीजी कोर्स के लिए चालू शैक्षणिक सत्र में मराठा आरक्षण लागू नहीं होगा। मंगलवार को यह महत्वपूर्ण फैसला बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने दिया है। सरकार ने डेंटल और मेडिकल कॉलेजों के पीजी कोर्स की प्रवेश परीक्षा में मराठा आरक्षण को लागू कर किया था। इसे डॉ. अदिति गुप्ता, डॉ.अनुज लद्दड और डॉ.रसिका सराफ सहित कई विद्यार्थियों ने नागपुर बेंच में याचिका दायर कर चुनौती दी थी। सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़ी श्रेणी (एसईबीसी) में मराठा आरक्षण को शामिल किया था। एसईबीसी अधिनियम के अनुच्छेद ४ में कुल सीटों में से १६ प्रतिशत सीटें एसईबीसी श्रेणी के लिए आरक्षित रखने का प्रावधान है। इसी अधिनियम के अनुच्छेद १६(२) में कहा गया है कि अगर कोर्स की प्रवेश प्रक्रिया अधिनियम प्रभावी होने से पहले शुरू हो चुकी है, तो उसमें आरक्षण लागू नहीं होगा।

इसी मुद्दे पर याचिकाकर्ताओं ने अपनी याचिका में कोर्ट को बताया कि पीजी मेडिकल की प्रवेश प्रक्रिया अक्टूबर २०१८ में शुरू हो चुकी थी, जबकि एसईबीसी अधिनियम नवंबर २०१८ में लागू हुआ। इसीलिए नियमों के तहत चालू शैक्षणिक वर्ष में यह आरक्षण लागू नहीं हो सकता है। हाई कोर्ट ने सुनवाई के बाद चालू सत्र में आरक्षण नहीं लागू करने का फैसला सुनाया। हाई कोर्ट के फैसले पर मराठा आरक्षण के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर करने वाले वकील गुणरत्न सदावर्ते ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि मराठा आरक्षण भारतीय संविधान के खिलाफ है। यह समाज आर्थिक रूप से मजबूत है। नागपुर बेंच के फैसले से उन्हें आस जगी है।

भीषण गर्मी और उमस से राहत नहीं

पूजा पाण्डेय

मुंबई: महानगर का तापमान पहले से स्थिर हुआ है, लेकिन लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत नहीं मिल रही है। यूं तो रात का तापमान भी सामान्य से अधिक है, लेकिन दिन की गर्मी और उमस को देखते हुए रातें ठंडी महसूस हो रही हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लोगों को तापमान की तुलना में अधिक गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। इसकी वजह दिन और रात के तापमान में भारी अंतर और ह्यूमिडिटी (आर्द्रता) के स्तर में हो रही बढ़ोतरी है।

गुरुवार को मुंबई शहर का अधिकतम तापमान ३३.२ और न्यूनतम २५ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं उपनगर का अधिकतम तापमान ३३.१, जबकि न्यूनतम २४ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोनों इलाकों के दिन और रात के तापमान पर नजर डालें तो क्रमश: ९ और ८ डिग्री का अंतर दिखता है। मौसम जानकारों का कहना है कि जब दिन-रात के तापमान में अधिक अंतर होता है, तो तापमान की तुलना में लोगों को अधिक गर्मी महसूस होती है। वहीं इस दौरान आर्द्रता भी काफी बढ़ जाती है। नतीजतन चिलचिलाती धूप के साथ ही लोगों को भयंकर उमस का सामना करना पड़ता है।

समुद्री किनारा भी वजह

मौसम विभाग पश्चिम भारत के उपमहानिदेशक के. एस. होसालिकर ने कहा कि मुंबई समुद्र के किनारे बसा है। नतीजतन समुद्र की ओर से चलने वाली हवाओं में मॉइश्चर काफी रहता है, जिससे उमस बढ़ती है। वहीं, यहां के दिन और रात के तापमान में भी अंतर है। सामन्यत: न्यूनतम आर्द्रता ४०-५० प्रतिशत होती है, जो फिलहाल ६० और ७० प्रतिशत बनी हुई है। वहीं अधिकतम आर्द्रता ७०-८० होती है, जो इस मौसम में ८०-९० प्रतिशत या कई बार इससे भी अधिक हो जाती है। हालांकि ये सभी कारण मौसमी हैं, जो इस दौरान देखने को मिलते हैं। मौसम विभाग के अनुसार, ये अच्छे संकेत हैं। इसका मतलब है कि मौसम में बदलाव जारी है।

मौसम जानकार दिनेश मिश्र ने कहा कि आर्द्रता अधिक होने के कारण पसीना जल्दी सूखता नहीं है। इसके कारण लोगों को असहज महसूस होता है और सामान्य से अधिक गर्मी का एहसास होता है।

राज्य में अब तक ४ की गई जान

चुभती गर्मी और लू के कारण १५ मार्च से ३० अप्रैल के बीच महाराष्ट्र में ४ लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, दर्जनों लोग बीमार हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इस दौरान २४४ लोगों को लू लगने के कारण अस्पतालों में भर्ती किया गया। इसमें ज्यादातर मामले अकोला और नागपुर से हैं। औसत देखें तो राज्य में रोजाना ५ लोग गर्मी के कारण अस्पताल का रुख कर रहे हैं।

संपादकीय

आयोग की प्रतिष्ठा

विपक्ष का आखिरी दांव भी चित हो गया। मौजूदा लोकसभा चुनाव की मतगणना में ५० प्रतिशत वीवीपैट की पर्चियों के मिलान की संयुक्त विपक्ष की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने एक मिनट से भी कम समय में खारिज कर दिया। २१ दलों द्वारा संयुक्त रूप से दायर इस याचिका को विपक्ष ने कितना महत्व दिया, इसे इससे भी समझा जा सकता है कि मंगलवार को जब यह याचिका पेश की गई, तो आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू खुद अदालत में मौजूद थे, साथ में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव डी राजा भी थे और कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी तो खैर वकील के तौर पर वहां थे ही। याचिका में चंद्रबाबू नायडू की दलील थी कि हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने पहले के मुकाबले ज्यादा वीवीपैट की गिनती के प्रावधान का निर्देश दिया है, लेकिन यह संतोषजनक नहीं है, इसलिए इसे बदलकर हर सीट की ५० प्रतिशत वीवीपैट पर्चियों के मिलान की व्यवस्था की जाए। इसके बाद अदालत में जो हुआ, वह बताता है कि सुप्रीम कोर्ट ने न तो इस दलील को ज्यादा महत्व दिया और न ही उस याचिका को, जिससे विपक्ष ने बड़ी उम्मीद बांधी थी। यही वजह है कि साठ सेकंड से भी कम समय में यह याचिका खारिज कर दी गई। पहले चुनाव आयोग ने यह प्रावधान किया था कि हर विधानसभा क्षेत्र से किसी एक वीवीपैट की पर्चियों का मिलान किया जाएगा। पिछली बार विपक्ष जब इस मसले को लेकर अदालत में गया, तो सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रावधान को बढ़ा दिया था। आठ अप्रैल के अपने फैसले में अदालत ने यह व्यवस्था दी थी कि प्रति विधानसभा क्षेत्र पांच वीवीपैट पर्चियों का मिलान किया जाएगा। इसका अर्थ था कि कुल १०.३५ लाख वीवीपैट में से २०,६२५ की पर्चियों का मिलान होगा। यानी एक तरह से सुप्रीम कोर्ट ने १.९९ फीसदी वीवीपैट की पर्चियों के मिलान की व्यवस्था कर दी थी, जो उसे यह परखने के लिए पर्याप्त लगी कि वोटिंग मशीनों में कोई गड़बड़ी तो नहीं है। चुनाव आयोग का कहना था कि इससे मतगणना में देरी होगी, लेकिन अदालत ने आयोग की इस आपत्ति को स्वीकार नहीं किया था। विपक्ष इतने से ही संतुष्ट नहीं था, इसलिए उसने इस फैसले को चुनौती देते हुए एक और याचिका दायर की थी, जो अब खारिज हो चुकी है। भारत ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए जिस तरह से बड़े पैमाने पर वोटिंग मशीनों का इस्तेमाल किया है, वह अपने आप में एक मिसाल है। दुनिया का कोई अन्य देश अभी तक यह नहीं कर सका। सब जगह वोटिंग मशीनों के इस्तेमाल से पहले जिस तरह की आशंकाएं खड़ी की गईं, वे भारत में उस तरह से नहीं खड़ी हुईं, तो इसका श्रेय एक संस्था के रूप में भारतीय चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा और उसकी निष्पक्षता पर लोगों के भरोसे को ही दिया जाएगा। पर पिछले कुछ समय में जिस तरह राजनीतिक कटुता बढ़ी है, उसके चलते वोटिंग मशीनें भी निशाने पर आ गई हैं। वीवीपैट का प्रावधान भी चुनाव आयोग द्वारा इसीलिए किया गया है कि निष्पक्षता को जांचने की एक समांतर व्यवस्था मौजूद रहे। देश के सभी राजनीतिक दलों को यह बात समझ लेनी चाहिए कि बिना किसी ठोस कारण के सिर्फ शक के आधार पर चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते रहना अंत में चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा को ही धूमिल करेगा, जो हमारे लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं होगा।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस जेबकतरों एवं बैग लुटेरो के कब्जे में

मेट्रो दिनांक संवाददाता

मुम्बई : लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन मुंबई का एक बड़ा टर्मिनल स्टेशन है जहाँ से उत्तर एवं दक्षिण की ओर आने-जाने वाली गाड़ियों की संख्या करीबन १५४ है। यहाँ से रोज करीब हजारों यात्री, खासकर उत्तर भारत की ओर, यात्रा शुरू करते है और खत्म करते है। आजकल यह स्टेशन पूरी तरह जेबकतरों एवं बैग लुटेरो के कब्जे में है। लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन की रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल स्टेशन पर पूरी तरह मुस्तैद होने का दावा करती है, लेकिन उनके दावो पर शक की सुई जाती है क्योंकि बिना स्टेशन पुलिस की मिलिभगत से इतना बड़ा व्यापार चल नहीं सकता। यदि आपके साथ कोई वारदात (जेब कटना,या बैग चोरी होना) होती है, तो रेलवे पुलिस पहले तो जमकर टाल मटोल करती है,अनेक मामलो में सीधे साधे यात्रियों को तो गालिया देकर भगा देती है। हां अगर कोई यात्री डट गया तो उस यात्री की लिखित सूचना कुर्ला रेलवे पुलिस स्टेशन में जाकर करनी पड़ती है. यहाँ यात्रियों की शिकायत के बावजूद बहुत कम ईंदें दर्ज होती है. लेकिन इस स्टेशन से अपने गंतव्य की यात्रा कर रहे

यात्रियों के पास न तो समय होता है और न ही जागरूकता। उन्हें इस बात का पता नहीं होता है कि वे यात्रा के दौरान भी अपनी शिकायत ट्वीट कर सकते हैं या टीटीई के माध्यम से चोरी या उठाईगिरी की शिकायत कर सकते हैं। खास बात तो यह है सवारी लेने के लिये प्लेटफार्म पर खुले आम टैक्सी ड्राइवर और ऑटो ड्राइवर घूमते है, इनको रोकने वाला कोई नही है।

प्लेटफार्म पर यात्रियों की इतनी अधिक संख्या होने के बावजूद रेलवे प्रशासन ने उनके खान पान के लिये कोई व्यवस्था (रेलवे कैंटीन) नही की है। मुख्य हाल में केवल एक खान – पान घर है जिसपर घटिया स्तर के खाद्य पदार्थ होते हैं जिसे यात्री बस खाने के नाम पर पेट में डाल लेते हैं। बाकी प्लेटफार्म पर खाली नाश्ते की व्यवस्था है जो अपनी क्वालिटी की कहानी खुद सुनाते हैं। निम्न श्रेणी का खाद्य पदार्थ देना और तय शुल्क से ज्यादा पैसा लेना यहाँ की परम्परा बन गई है। लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन पर एक नई बात यह देखने को मिलती है की करन्ट आरक्षण का लालच देकर यात्रियों से दलाल रेलवे कर्मियों की मदद से भारी रकम वसूलते हैं और उन्हे कम दूरी का टिकट हाथ में थमा दिया जाता है, (जैसे बनारस जाने वाले यात्री को नासिक तक का टिकट) यात्री अपने को ठगा महसूस तो करता है लेकिन उसके पास शिकायत करने का समय नहीं होता क्योंकि उसे टिकट तभी दिया जाता है जब गाड़ी चलने लगती है। इतना बड़ा स्टेशन होने के बावजूद हजारों यात्रियों के लिए प्लेटफार्म नंबर १ को छोडकर कहीं भी ठन्डे पानी की व्यवस्था नहीं है जहाँ थका-हारा यात्री अपनी प्यास बुझा सके। निरीक्षण के नाम पर प्रतिदिन रेल अधिकारियों की ड्यूटी लगती है लेकिन क्या उन्हे ये सब दिखाई पड़ती है? देखना यह है कि कब तक प्रशासन की आँखें खुलती है।

बॉम्बे हाई कोर्ट का आदेश कोमा में पति तो संपत्ति बेच सकती है पत्नी

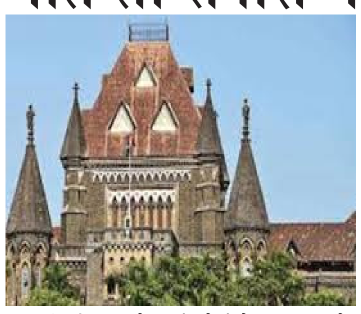

मुंबई : बॉम्बे हाई कोर्ट ने ६ साल से कोमा में पड़े एक डॉक्टर की पत्नी को गार्जियन नियुक्त किया है, जिससे वह पति की कुछ संपत्तियों को बेच सके। महिला ने मेडिकल बिल और बच्चों की पढ़ाई के खर्च का हवाला देते हुए पति को गार्जियन बनाए जाने की अपील की थी, जिससे वह अपनी कुछ प्रॉपर्टी बेच सके। महिला की अपील के बाद कोर्ट के निर्देश पर पिछले महीने नायर हॉस्पिटल के डीन ने कोमा में पड़े शख्स की स्थिति का आंकलन करने के लिए न्यूरोलॉजिकल एक्सपर्ट्स की टीम को नियुक्त किया था। कोर्ट में पेश रिपोर्ट के अनुसार मस्तिष्क की निष्क्रिय स्थिति बनी हुई है। रोजमर्रा की जरूरतों के लिए उन्हें चौबीसों घंटे सहायता की आवश्यकता है और खुद से कोई भी निर्णय नहीं ले सकते हैं। महिला ने वकील के माध्यम से दायर याचिका में कहा कि पति के नाम पर दहिसर और भयंदर में आवासीय और कमर्शल प्रॉपर्टी है। इसके साथ ही बैंक अकाउंट्स भी है। संपत्तियों को बेचकर परिवार की वित्तीय मदद होगी और दो बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी उठेगा। कोर्ट ने आदेश में कहा, '२०१३ से ही महिला के पति बिस्तर पर पड़े हुए हैं। उनकी सेवा के लिए एक अलग से कमरे की जरूरत है। इस वजह से फैमिली छोटे घर से बड़े की तरफ शिफ्ट करना चाह रही है, जो जरूरी भी है। पत्नी को पति का गार्जियन नामित किया जाता है।' इसके साथ ही कोर्ट ने नायर हॉस्पिटल को भी डोनेशन देने का निर्देश दिया।

गैंगरेप पीड़िता बोली- १० सालों से अदालत के चक्कर लगाते-लगाते सीख गई हूं कानून

मुक्तसर साहिब कोर्ट द्वारा गैंगरेप के आरोपियों को बरी करने के खिलाफ पीड़िता की अपील पर सुनवाई के दौरान एक महिला का दर्द छलक उठा। महिला की कानूनी जानकारी देख कोर्ट ने पूछा कि क्या आपने लॉ की पढ़ाई की है। इस पर उसने कहा कि दस साल से इंसाफ के लिए अदालतों के चक्कर लगाते-लगाते लॉ सीख गई हूं। मामला गैंगरेप पीड़िता से जुड़ी तीन याचिकाओं से जुड़ा हुआ है। मुक्तसर साहिब कोर्ट के जज ने महिला पर कोर्ट की कार्रवाई में दखल का आरोप लगाते हुए पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में शिकायत भेजी थी। उस मामले का संज्ञान ले हाईकोर्ट ने महिला के खिलाफ अवमानना के तहत सुनवाई आरंभ कर दी। दूसरी अवमानना याचिका एक आरोपी ने दाखिल की है, जिसमें कहा गया है कि महिला न्यायपालिका और जजों के खिलाफ टिप्पणी करती है। तीसरी याचिका महिला द्वारा

दाखिल की गई है जिसमें उसने आरोपियों को बरी किए जाने के आदेश को चुनौती दी गई है। मंगलवार को इस महिला ने जनहित याचिका दाखिल करते हुए जजों और सीनियर वकीलों पर आरोप लगाए थे। इसके बाद चीफ जस्टिस ने कहा था कि वे प्रशासनिक स्तर पर उसकी मदद का प्रयास करेंगे। इसी के तहत जब मामला सुनवाई के लिए अन्य बेंच के पास पहुंचा तो उन्होंने करीब डेढ़ घंटे सुनवाई करते हुए तीनों केस अलग-अलग कर दिए ताकि मामले का जल्द निपटारा हो सके।

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि अभी तक इस मामले में आरोपियों को नोटिस जारी नहीं किए गए हैं। इस पर हाईकोर्ट ने सभी आरोपियों को नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई पर जवाब दाखिल करने के आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं, चीफ जस्टिस के सामने पहुंची जनहित याचिका को हाईकोर्ट ने आधारहीन मानते हुए इसे खारिज कर दिया है।

गैंगरेप पीड़िता का आरोप है कि आरोपी हाईकोर्ट के जज के रिश्तेदार हैं और इसी के कारण हाईकोर्ट के जज और सीनियर वकीलों ने ट्रायल कोर्ट पर दबाव बनाया जिसके चलते सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया। आदेश के खिलाफ याचिका हाईकोर्ट में लंबित है तो जज उसकी याचिका को गंभीरता से नहीं ले रहे और उसे धमकाया जा रहा है। हाईकोर्ट ने कहा था कि चाहे जज धमकाए या वकील थाने जाकर एफआईआर दर्ज करवाने का विकल्प मौजूद है।

अनसुलझी है हत्या की गुत्थी, अब वारदात को लेकर उठे ये बड़े सवाल

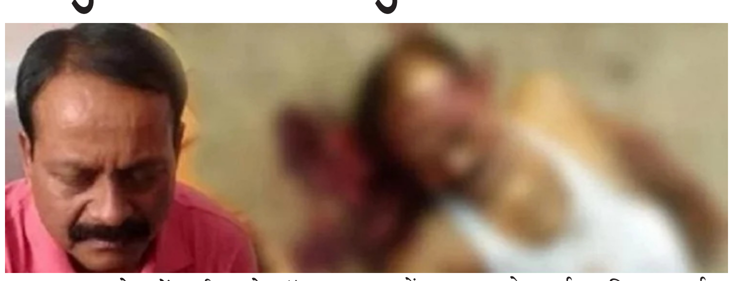

बागपत जेल में पूर्वांचल के डॉन मुन्ना बजरंगी की हत्या की गुत्थी अब तक अनसुलझी है। कई सवाल ऐसे हैं, जिनके जवाब पुलिस के पास नहीं है। बर्खास्त जेल वार्डर माधव कुमार के नाम से मुख्य सचिव को भेजे पत्र में वारदात को लेकर कई सवाल उठाए गए हैं। बजरंगी की हत्या सवा छह बजे की गई, जबकि जेल के मुख्य गेट पर अलार्म बजाने का समय गेट कीपर ने छह बजे लिखा है। एकल कक्षों पर सुनील राठी के विश्वसनीय नंबरदार की छह माह तक तैनाती रखी गई। वार्डर ने प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग रखी, इसके अलावा कई अन्य कर्मियों की भूमिका पर भी सवाल उठाया है।

गाजियाबाद जेल अधीक्षक वधी राम की रिपोर्ट पर मथुरा जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक शैलेंद्र मैत्रेय ने २३ अप्रैल को जेल वार्डर माधव राम और हेड जेल वार्डर अजेंद्र कुमार को बर्खास्त किया। बर्खास्त जेल वार्डर माधव राम के नाम से मुख्य सचिव को भेजे पत्र में बागपत जेल की अव्यवस्थाओं और हत्या के दिन की कहानी पर कई सवाल उठाए गए हैं। माधव का कहना है कि वह घटनास्थल से करीब ८० मीटर दूरी पर था। एकल कक्ष की तरफ फायर की आवाज सुनीं तो वह उधर दौड़ा। उसने देखा कि मुन्ना बजरंगी खून से लथपथ पड़ा था, जबकि उस तरफ से सुनील राठी आ रहा था। जेल प्रबंधन, ड्यूटी लगाने और वारदात पर माधव ने कई सवाल उठाते हुए पत्र भेजकर निष्पक्ष जांच की मांग की है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अधिकारी घटना को आठ जुलाई सुबह सवा छह बजे की बता रहे हैं, लेकिन जेल के गेट पर रखे गए रजिस्टर में ही अलार्म बजाने का समय छह बजे लिखा गया है। माधव ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि जेल में पिस्टल की उपस्थिति के लिए वह दोषी नहीं है। अन्य लोगों की जांच होनी चाहिए। वारदात के दिन जेल वार्डर पर एकल कक्षों समेत २१९ बंदियों की जिम्मेदारी दी थी। इनमें बजरंगी और सुनील राठी जैसे अपराधी भी शामिल थे। बैरक संख्या एक डी से नरेश राठी अन्य बंदियों के साथ सुनील राठी से मिलने पहुंचा, इसी समय वारदात हुई। इसी क्षेत्र के सीवर टैंक से पिस्टल बरामद हुआ। यहां तैनात कर्मियों की भूमिका पर सवाल। एकल कक्षों पर सुनील राठी के करीबी बंदी नंबरदार बबलू की ड्यूटी करीब छह माह से थी। जबकि नियमानुसार ऐसा नहीं हो सकता। बंदी नंबरदार की तैनाती जेल अधीक्षक करते हैं। मुख्य सचिव को भेजे पत्र में एक अन्य जेल वार्डर की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं। इसी वार्डर के क्षेत्र में पिस्टल बरामद हुआ । आरोप लगाया कि वार्डर ने बंदियों को सुनील राठी के पास जाने से नहीं रोका, इसकी भूमिका की जांच होनी चाहिए। इसके अलावा अधीक्षक, डिप्टी जेलर, दिन जेल वार्डर, रात्रि जेल वार्डर, गेट कीपर, मेन गेट तलाशी ड्यूटी जेल वार्डर, नियुक्त बंदी ओवरसियर, और बंदी बैरक संख्या एक डी के जेल वार्डर की भूमिका की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई होनी चाहिए।

युवती भगाने पर किया गिरफ्तार, सुबह खेत में मिला शव, पूरी पुलिस चौकी पर मामला दर्ज

युवती के साथ भागने पर गिरफ्तार गांव ईसड़ू के रहने वाले गुरविंदर सिंह (२५) का शव बुधवार सुबह गांव के खेत में मिला। परिजनों ने पुलिस और युवती के परिजनों पर हत्या का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों के साथ खन्ना-मालेरकोटला रोड पर लगभग तीन घंटे जाम लगाए रखा। इसके बाद मृतक के भाई गुरप्रीत सिंह की शिकायत पर सदर थाने में पुलिस चौकी ईसड़ू के सभी मुलाजिमों, युवती और उसके परिजनों समेत ११ पर हत्या का केस दर्ज कर लिया गया।

जानकारी के अनुसार गुरविंदर गांव की ही एक युवती को एक हफ्ते पहले भगा ले गया था। पुलिस ने रविवार को दोनों को गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब कोट से पकड़ लिया। युवती को परिवार के हवाले कर दिया गया और पुलिस गुरविंदर को ईसड़ू चौकी ले गई। बुधवार सुबह उसकी लाश गांव में ही खेतों में मिली। गुरप्रीत ने बताया कि उसके भाई गुरविंदर की शर्ट फटी हुई थी और चेहरे समेत शरीर पर चोटों के निशान थे। उसने आरोप लगाया कि मंगलवार रात युवती के परिजनों ने

पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर उसके भाई की पीट-पीटकर हत्या कर दी और शव यहां फेंक दिया। वहीं पुलिस मुलाजिमों से जब इस बारे में पूछा गया तो पहले उन्होंने कहा कि गुरविंदर को छोड़ दिया गया था। जब उनसे पूछा कि उसे लेने परिजनों को क्यों नहीं बुलाया गया तो दूसरा पुलिसकर्मी कहने लगा कि वह चौकी से भाग गया था। खन्ना के एसपी डी जसबीर सिंह ने बताया कि मृतक के भाई गुरप्रीत सिंह की शिकायत पर चौकी इंचार्ज कर्मजीत सिंह, हवलदार जसवंत सिंह, कांस्टेबल हरभजन सिंह, होमगार्ड अवतार सिंह, युवती, उसके दादा समेत ११ आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही गुरविंदर की मौत के कारण का खुलासा हो सकेगा।

व्हॉट्सऐप से निकली, तलाक और तबाही

भिवंडी : मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से छुटकारा दिलाने का कानून जहां मोदी सरकार पारित कर रही है, वहीं मुस्लिम बाहुल्य भिवंडी में एक इंजीनियर मुस्लिम युवक ने अपनी दिव्यांग पत्नी को व्हॉट्सऐप पर मैसेज भेजकर तीन तलाक दे दिया। वह भी इसलिए क्योंकि महिला मायके से घर खरीदने के लिए १० लाख रुपए नहीं लाई। अपने ऊपर हुए इस अत्याचा०र की शिकायत महिला ने पुलिस महकमे व महिला मंडल में करते हुए पति सहित तीन लोगों पर मामला दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई है। हैरत की बात यह है कि मोबाइल पर दिए गए इस तलाक को मौलानाओं ने जायज ठहराया है। भिवंडी के दीवानशाह दरगाह की रहनेवाली एक २३ वर्षीया दिव्यांग महिला का निकाह मुस्लिम रीति-रिवाज से १८ मई २०१४ को हुआ था। उसका शौहर टेक्निकल इंजीनियर है तथा कल्याण की किसी निजी कंपनी में कार्यरत है। शादी के कुछ दिन के बाद से ही शौहर के परिवारवाले न सिर्फ दहेज के लिए शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे बल्कि वह भी उसके चरित्र पर भी शक करने लगा। फिर भी ससुरालवालों की यातना को वह मुस्कुराते हुए पांच साल झेलती रही। महिला को एक चार साल का बेटा भी है। मांग पूरी न करने पर वह पत्नी की न सिर्फ पिटाई करता था बल्कि एक दिन वह धक्का मारकर उसे घर से निकाल दिया। इसके कुछ दिन बाद उसने व्हॉट्सऐप पर ट्रिपल तलाक का मैसेज भेजकर उसे तलाक तक दे दिया। महिला ने पुलिस महकमे को ज्ञापन देकर पति, सास, ससुर पर मामला दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई है। भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कल्याण करपे ने जल्द ही केस दर्ज करने की बात कही है। इधर व्हाट्सऐप पर तलाक को यहां के मौलानाओं ने भी जायज ठहराया है। यहां के मुफ्ती मो. हुजैफा काजमी ने कहा कि जिस तरह से मोबाइल पर बात करना, मैसेज भेजना सही है वैसे ही व्हॉट्सऐप पर तलाक देना भी जायज है।

लाइफगाड्र्स ने बचाई कई शराबियों की जान

मुंबई : समुद्र पर जाकर वीकेंड मनाना, बर्थ डे सेलिब्रेट करना और पार्टी करना मुंबईकरों के लिए आम बात है। शराब पीकर समुद्र किनारे मस्ती करना भी युवाओं के लिए फैशन बन गया है पर यह कितना खतरनाक है, इसका अंदाजा उन्हें नहीं है। जनवरी से लेकर अप्रैल माह तक डूबते लोगों को बचाने के लिए लाइफगाड्र्स को मुंबई के ६ बीचों (समुद्री तटों) पर १८ बार छलांग लगानी पड़ी है, इनमें से ५ घटनाओं में लाइफगाड्र्स द्वारा बचाए गए लोग शराब के नशे में धुत्त थे।

बता दें कि जनवरी माह से मुंबई के छह बीच जुहू, अक्सा, गिरगांव, दादर, वर्सोवा और गोराई पर लोगों को डूबने से बचाने और सुरक्षा के लिए १२४ प्रशिक्षित लाइफगाड्र्स की टीम नियुक्त की गई है। इन लाइफगाड्र्स ने अब तक लगभग ४० लोगों की जान बचाई है। इन घटनाओं में सबसे ज्यादा मामले शराब पीकर पानी में जानेवालों के हैं। इसके अलावा सेल्फी लेने और आत्महत्या करने का प्रयास करने के भी कई मामले देखने को मिले हैं। मनपा द्वारा नियुक्त दृष्टि लाइफसेंविग के सीईओ रवि शंकर ने बताया कि तमाम प्रशिक्षण और अभ्यास के बाद लाइफगाड्र्स की नियुक्ति की जाती है। ये लाइफगाड्र्स अपनी जान की बाजी लगाकर लोगों की जान बचाते हैं। लोगों को सावधान रहना आवश्यक है।

चेन स्नैचर दंपती को किया गिरफ्तार

ठाणे : राह चलते लोगों के गले से चेन स्नैचिंग करने वाले दंपती को ठाणे ग्रामीण पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए इरशाद उर्फ इशू खान और उसकी पत्नी हिना हबीब के पास से पुलिस ने ४ लाख २० हजार के गहने और स्कूटर जब्त किया है। पूछताछ में उन्होंने काशीमीरा, मीरा रोड तथा नवघर पुलिस स्टेशनों में दर्ज स्नैचिंग के ७ मामलों का खुलासा किया है। मीरा रोड तथा भाईंदर में बढ़ती चेन स्नैचिंग की घटनाओं को देखते हुए ग्रामीण पुलिस अधीक्षक डॉक्टर शिवाजी राठौड़ ने अधिकारियों को निर्देश दिए थे। कई सीसीटीवी की छानबीन में इरशाद और हिना की तस्वीरें दिखी थीं।

आवश्यकता है

मुंबई, ठाणे, कल्याण, नवी मुंबई, पालघर, इलाहाबाद, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, प्रतापगढ, आजमगढ़, लखनऊ इत्यादि जिलों से अंशकालिक संवाददाताओं की आवश्यकता है। संपर्क करें :

संपर्क : मो. ९८२१२८७९०५, ९३२२२४८३५३-९१६७००९६२९

Email : metrodinank@gmail.com

Advertisment Rates

Rs. 1000/- 1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 2 Month+1 Month (Five lines)
Rs. 3000/- 3 Month+2 Month (Five lines)

Size	B/W (Rs.)	4 Col. (Rs.)
Full Page	30,000	50,000
Half Page	16,000	30,000
Quarter Page	8,000	16,000
V card size	4,000	9,000

MEMBERSHIP

5 Year - 1000 Life time - 3000

Note : Please Issue Cheque, Cash & DD in the name of "Metro Dinank"

प्रकाशक, मुद्रक- श्रीमती मंजू दीनानाथ तिवारी द्वारा स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम.तिवारी, द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस 7, उद्योग भवन, शर्मा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बालभट्ट रोड गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज मालाड (पूर्व), मुंबई- 97 से प्रकाशित। **संपादक** - दीनानाथ एम. तिवारी, **कार्यकारी संपादक**- कर्ण हिन्दुस्तानी, **उपसंपादक**- शिवशंकर तिवारी, संतोष तिवारी, राजेश पाल **संरक्षक**- वसंत सेठिया, शैलेश देसाई, दयाराम पाल, राजेंद्र आर. पाल, जया पेंगल, राजकुमार यादव, सुशील पाण्डेय (सी.ए.) - **चीफ एड डिपार्टमेन्ट**- निलेश पांडे **वितरक**-सुचित कुमार (मंत्रालय, पुलिस, मनपा, रेलवे, ओल्ड कस्टम हाऊस)

उत्तर प्रदेश ब्यूरो चीफ : बी. के. मिश्रा / सी. एस. तिवारी
कानून सलाहकार- डी.के. पाण्डेय, एड. किशोर डेढिया, जे.पी. शर्मा, एस.के. दुबे, के.के. शुक्ला, **संपर्क : टेलीफैक्स** 022-29656280,
मो. 9821287905,9322248353-9167009629
Email : metrodinank@gmail.com
Post Regd.NoMH/MR/NW~-143/2009
नोटिस, नामपरिवर्तन, गजट, व्यवसायिक विज्ञापन आदि छपवाने के लिए संपर्क करें

संक्षिप्त न्यूज

राज ठाकरे के खिलाफ लिखी पोस्ट, मामला दर्ज

कल्याण: सोशल मीडिया फेसबुक पर राज ठाकरे के विरोध में विकास होले ने अपमानजनक पोस्ट लिखी, वहीं अजय पाटील ने उसे लाइक किया और राज के विरुद्ध अपमानजनक कॉमेंट्स कर दिया। यही नहीं, उन्होंने यह भी लिखा कि अगर हिम्मत है, तो हमारे खिलाफ मामला दर्ज कराओ। पोस्ट पर नजर पड़ते ही मनसे के उप शहर अध्यक्ष योगेश गंवाने ने कोलसेवाडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवा दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

पड़ोसी का झगड़ा छुड़ाना पड़ा महंगा

मुंबई: पंत नगर पुलिस ने ३२ साल के एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर पड़ोसियों के घर को जलाने का आरोप है। आरोपी का नाम अशोक शर्मा है। शर्मा पर आरोप है कि वह नशे में अक्सर पत्नी को प्रताड़ित करता था। उस दौरान पड़ोसी उसकी पत्नी को बचाने के लिए आ जाते थे। पड़ोसियों द्वारा किए गए बीच-बचाव से शर्मा बुरा मान जाता और उनसे झगड़ने लगता था। हद तो तब हो गई, जब २६ अप्रैल को शर्मा ने पड़ोसियों के घर को जलाने की कोशिश की। हालांकि, समय रहते अग्निशमन विभाग के लोग मौके पर पहुंच गए और आग पर काबू पा लिया गया।

नालासोपारा में तीन बांग्लादेशी गिरफ्तार

नालासोपारा: पालघर एसएस ब्रांच (अनैतिक मानवी वाहतुक शाखा) की टीम ने मंगलवार शाम नालासोपारा के टाकीपाडा इलाके में छापेमारी के दौरान तीन बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम ५ बजे पालघर एसएस ब्रांच की टीम को सूचना मिली कि टाकीपाडा स्थित सारा अपार्टमेंट में कुछ बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं। सूचना के बाद टीम ने एक फ्लैट पर छापामार कर विपुल यूनुस मियां (२४) नाजीर हुसैन इस्माइल शेख (२२) व सुमय्या यास्मीन इदरिश अली (२४) को गिरफ्तार किया है।

कंटेनर ने बाइक सवार को कुचला

वसई: वालीव पुलिस स्टेशन क्षेत्र के कामन-भिवंडी रोड पर मंगलवार की दोपहर एक तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक सवार को कुचल दिया। इस हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, संतोष भुवन स्थित वालईपाडा निवासी राधेश्याम विजय बहादुर यादव (५७) मंगलवार की दोपहर ३ बजे अपनी बाइक से कामन रोड से चिंचोटी की तरफ आ रहा था। जैसे ही वह भजनलाल तबेला के पास पहुंचा, पीछे से तेज रफ्तार कंटेनर ने उसे जोरदार ठोकर मार दी।

व्यक्ति पर जानलेवा हमला, आरोपी फरार

वसई: वसई स्टेशन के फुटब्रिज पर मंगलवार की शाम एक व्यक्ति पर अज्ञात शख्स ने धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी शख्स फरार हो गया, इस हमले में व्यक्ति बुरी तरह जख्मी हो गया उसका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, वसई निवासी समीर मर्चेंट (४५) वसई स्टेशन के फुटब्रिज से जा रहा था। इस दौरान एक अज्ञात शख्स ने बर्फ कटर से मर्चेंट के हाथ, पीठ, पेट व शरीर पर कई वार कर दिए।

महिला ने युवक पर फेंका खौलता पानी

वसई: वालीव पुलिस स्टेशन क्षेत्र के चिंचोटी इलाके में मामूली विवाद को लेकर एक महिला ने युवक पर खौलता पानी फेंक दिया, साथ ही महिला के साथ अन्य तीन लोगों ने उसकी जमकर पिटाई भी कर दी। इस हमले में युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। उसका शताब्दी अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, मीरा रोड निवासी दीपांकर रंतदेव तिवारी (३३) रिक्शा चालक है। सोमवार की सुबह १० बजे वह चिंचोटी स्थित पाटीलपाडा अपने रूम पर आया था। यहां उसका सुनीता देवनारायण त्रिपाठी नामक महिला से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। महिला ने खौलता पानी उसकी पीठ पर फेंक दिया जिससे वह बुरी तरह झुलस गया।

कार का कांच तोड़कर एक लाख नकदी चोरी

वसई: वालीव पुलिस स्टेशन क्षेत्र के एवरशाइन सिटी इलाके में मंगलवार दोपहर अज्ञात चोरों ने एक कार का कांच तोड़कर उसमे रखी एक लाख नकदी चुरा ली। जानकारी के अनुसार, खानीवडे गांव निवासी विजय महादु खिलारे (२४) आईसीआईसीआई बैंक से एक लाख रुपये निकाले और अपनी कार की पिछली सीट पर रख दिए। उसने कार बैंक के बाहर पार्क की और पास स्थित महिंद्रा कोटक बैंक में चेक डिपॉजिट करने

युवती को देखकर अश्लील हरकत, दो गिरफ्तार

मुंबई: २६ वर्षीय एक युवती से छेड़छाड़ करने के मामले में वर्ली पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के नाम सिंगोटवेल देवेंद्र (२५) और आनंद देवेंद्र (३८) हैं। मूल रूप से तमिलनाडु के रहने वाले आरोपी वर्ली इलाके में काम करते हैं। शुक्रवार को पीड़ित युवती ऑफिस से घर लौट रही थी। उस दौरान दोनों ने उससे रास्ते में छेड़छाड़ की। आरोप है कि दोनों में से एक आरोपी आनंद ने युवती को देखकर हस्तमैथुन करने लगा। मौके पर पहुंचे युवती के मित्र और बीएमसी कर्मचारियों की मदद से आरोपियों को पकड़ कर पुलिस के हवाले किया गया।

विवाहिता चढ़ी दहेज की बलि

क्या पुलिस की लापरवाही से हुई महिला की मौत: परिवार का आरोप

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चल पाएगा हत्या या आत्महत्या

विशेष संवाददाता

मुंबई । देश में बहू बेटियों को दहेज के लिए जलाने और मारने का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। एक तरफ जहां सरकार महिलाओं की सुरक्षा के लिए तीन तलाक विधेयक आदि योजनाएं लागू करें सुरक्षा का दावा कर रही है। वहीं बहू बेटियां दहेज की बलि चढ़ रही हैं।

सूत्रों की मानें तो इसी क्रम में मुंबई के बांद्रा स्थित बहराम पाड़ा के एक सोसाइटी में एक विवाहिता युवती को ससुराल वालों ने दहेज के लिए मार डाला। दरअसल मामला यह है कि बांद्रा स्थित निर्मल नगर इलाके में रहनी वाली नौशीन अपने ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। नौशीन के घर वालो ने आरोप लगाया है कि आत्महत्या की खबर उन्हें काफी देर बाद मिली यानी कि हॉस्पिटल पहुंचने के बाद।

नौशीन के घरवालों ने आरोप लगाया है कि नौशीन की हत्या कर दि गई। शादी के बाद से ही ससुराल वालों ने नौशीन को दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे और मारपीट भी। कई बार नौशीन ने उनके साथ हो रही जुर्म की बात अपने माता-पिता से की थी।पुलिस के अनुसार नौशीन की मौत फांसी लगने से हुई है और लाश का पोस्टमार्टम भी किया गया। परिवार वालो की शिकायत के

आधार पर ३०६ और ४९८ आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर लिया गया। मृतका के मां ने आरोप लगाया कि 'मैंने बेटी की शादी अपनी औकात के हिसाब से दहेज आदि देकर किया था। लेकिन शादी के बाद से ससुराल वालों ने और दहेज लाने की मांग करने के साथ-साथ आए दिन मारपीट करते रहते थे'। परिजनों ने इसकी शिकायत निर्मल नगर पुलिस स्टेशन में किया था। पुलिस ने उनकी बातों को न सुनकर बल्कि कुछ देर बैठाने के बाद डरा धमका कर वापस कर दिया। जब परिजनों ने पुलिस से कार्रवाई करने की बात कही जो पुलिस मामले की लीपापोती व समझौते की बात करने के लिए दबाव बनाने लगी। जबकि नौशीन का एक छोटा लड़का है जो आज भी बयान दे रहा है कि मम्मी को परिवार के सभी लोग पीटकर घर से बाहर कर दिए थे। नौशीन के घर वाले ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि अगर समय रहते पुलिस करवाई करती तो आज नौशीन जिंदा होती। इतना ही नही मारने के बाद भी निर्मल नगर पुलिस नौशीन को न्याय नही दिला रहा है। पुलिस ने मामला तो ले लिया लेकिन आरोपियों को पुलिस स्टेशन बुलाकर गिरफ्तार करने के बजाय स्टेटमेंट लेकर छोड़ दिया। हालांकि पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि मामले की जांच पड़ताल की जारही है। उसके बाद जिसे भी इस मामले में दोषी पाया जाएगा उचित से उचित कार्यवाही की जाएगी।

पति को बचाने के लिए तीन घंटे तक सहती रही दरिंदगी

राजस्थान के अलवर जिले में पति को बंधक बनाकर पत्नी से सामूहिक दुष्कर्म और वीडियो वायरल करने के मामले को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मीडिया से उन्होंने कहा कि मामले को गंभीरता से लेते हुए डीजीपी को खुद जांच की निगरानी करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मामले में प्रयागपुरा निवासी २२ वर्षीय इंद्रराज गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अन्य युवक मुकेश गुर्जर को वीडियो वायरल करने के मामले में पकड़ा गया है। इससे पहले मामले में मंगलवार शाम ५ पुलिस कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। आरोप है कि थानागाजी थाना पुलिस ने २ मई को केस दर्ज किया, लेकिन चुनावों के कारण घटना को दबाए

रखा। लापरवाही बरतने के आरोप में थानागाजी थाने के प्रभारी सरदार सिंह को निलंबित किया गया, जबकि एएसआइ रूपनारायण, सिपाही राम रतन, महेश कुमार और राजेंद्र को लाइन हाजिर कर दिया गया। मंगलवार देर शाम को ही प्रदेश सरकार ने एसपी राजीव पंचार को भी हटा दिया। हालांकि ऐसा करने के पीछे कार्मिक विभाग ने प्रशासनिक कारण बताया।

डीजीपी कपिल गर्ग ने जयपुर में पुलिस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि मामले में एक आरोपी इंद्रराज गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी आरोपी नामजद कर लिए हैं और जल्द गिरफ्तार होंगे। उन्होंने मामले को दबाने की बात से इनकार किया। हालांकि उन्होंने कहा कि थाने में २९ पुलिस कर्मचारियों का स्टाफ है। सभी पुलिस कर्मचारियों की जांच की जाएगी। इसके लिए एक टीम का गठन किया गया है। मामला २६ अप्रैल का है और ३० अप्रैल को एसपी को जानकारी मिली थी। वहीं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन लाल सैनी का कहना है मामले को दबाए रखने के लिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं। उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। पीड़िता ने घटना के बारे में बताते हुए कहा कि वह २६ अप्रैल को दोपहर ३ बजे पति के साथ शॉपिंग के लिए बाइक पर गांव लालवाड़ी से तालवृक्ष जा रही थी। थानागाजी-अलवर बाइपास रोड पर दुहार चौगान वाले रास्ते से कुछ दूरी पर ५ युवकों ने उनकी बाइक के आगे अपनी २ बाइक लगाकर रोक लिया। आरोपी युवक २० से २५ साल की उम्र के थे। युवक महिला और उसके पति को जबरन रेत के बड़े टीलों की तरफ ले गए।

विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सीएम देवेंद्र फडणवीस ने किया सूखे का आकलन

मुंबई : मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस विडियो कॉन्फ्रेंसिंग से राज्य में सूखे का आकलन कर रहे हैं। बुधवार को उन्होंने अपने सरकारी घर वर्षा बंगले से ही विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जालना और औरंगाबाद जिले में सूखे की स्थिति का जायजा लिया। इसमें उन्होंने गांव के सरपंचों से बात की। इससे पहले मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर जानकारी दी कि राज्य में सूखे से निपटने के लिए एनडीआरएफ ने केंद्र सरकार की तरफ से अतिरिक्त २१६० करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी है। केंद्र से अब तक राज्य को सऊके से निपटने के लिए ४२४८.५९ करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष सांसद अशोक चव्हाण ने सरकार पर सूखे से निपटने में विफल रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा

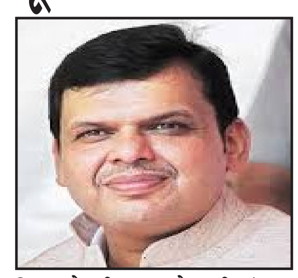

कि सूखे की वजह से बड़ी संख्या में लोगों का पलायन हो रहा है। सूखाग्रस्त मराठवाड़ा के साथ, सोलापुर और अन्य क्षेत्रों से पलायन की संख्या तेजी से बढ़ी है।

इस क्षेत्र के लोगों ने पुणे, मुंबई में रहने वाले रिश्तेदारों के यहां सहारा लेना शुरू कर दिया है। चव्हाण ने कहा कि हाल ही में सरकार के दो मंत्री महादेव जानकर और गिरीश महाजन जुन्नर गए थे। दोनों मंत्रियों को किसानों के भारी रोष का सामना करना पड़ा। यह इस बात का सबूत है कि लोगों को कितनी परेशानी है।

प्रेमी ने खुद को मारी गोली, मौके पर मौत, प्रेमिका से करना चाहता था लव मैरिज

बिजनौर के एक गांव में प्रेमी युगल को फरार होने से रोकने से क्षुब्ध प्रेमी ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक के परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही शव का अंतिम संस्कार कर दिया। प्रेमी युगल १५ दिन पूर्व फरार हुआ था और फरार होने के तीन दिन बाद स्वयं ही वापस लौट आया था। क्षेत्र के एक गांव निवासी एक संप्रदाय के युवक का दूसरे संप्रदाय की युवती से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। इसके चलते प्रेमी युगल लगभग १५ दिन पूर्व फरार हो गया था। प्रेमिका के परिजनों ने फरार होने की सूचना पुलिस को नहीं दी थी। प्रेमी जोड़ा फरार होने के तीन दिन बाद वापस घर लौट आया था।

घर पर कचरे का ढेर गिरने से एक व्यक्ति की मौत

मुंबई: उपनगरीय कुर्ला की झुग्गी बस्ती में एक घर के ऊपर कचरे का ढेर गिरने से ४८ वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। कचरे के भार से घर की छत ढह गयी थी। नगर निगम के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

बुधवार सुबह हुई इस घटना में एक व्यक्ति घायल भी हो हुआ।

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के एक अधिकारी ने बताया, " यह झुग्गी बस्ती उस पहाड़ी के नीचे स्थित है, जहां लोग कूड़ा-करकट जमा करते हैं। बुधवार को कचरे का एक ढेर नीचे के एक घर पर गिर गया। कचरे के वजन से घर ढह गया और ४८ वर्षीय अब्दुल कुरैशी और ६५ वर्षीय रहेमादी घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि इन दोनों को एक निकट के अस्पताल में ले जाया गया लेकिन डॉक्टर ने कुरैशी को मृत घोषित कर दिया।

BMC का बड़ा खुलासा, मुंबई में सड़कों के किनारे बिकने वाले जूस पीने लायक नहीं

मुंबई: बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएसपी) ने मुंबई में सड़कों के किनारे बिकने वाले जूस पर सनसनीखेज खुलासा किया है। बीएसपी का कहना है कि सड़क किनारे बिकने वाले जूस और अन्य पेय पदार्थ का ८१ प्रतिशत हिस्सा पीने लायक नहीं होता है। जूस और अन्य पेय पदार्थों के बारे में बीएसपी ने यह बयान शहरी निकाय के स्वास्थ्य विभाग ने नीबू पानी, गन्ने का जूस और बर्फ का गोला बेचने वाले विभिन्न स्टालों का पिछले महीने निरीक्षण करने के बाद दिया है। इस निरीक्षण में इन पेय पदार्थों की क्वालिटी बेहद खराब पाई गई। महानगरपालिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया, "विभिन्न स्टॉलों से ९६८ नमूने लिए गए थे, इनमें से ७८६ (करीब ८१.१ प्रतिशत) पीने के काबिल नहीं थे।'' उन्होंने कहा कि निकाय ने ऐसे अस्वास्थ्यकर पेय बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया है। अधिकारी ने कहा कि बीएसपी लगातार ऐसे पेय बेचने वालों की निगरानी कर रहा है और दूषित पेय पदार्थों को नष्ट कर रहा है। हम लोगों के स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता करना नहीं चाहते हैं।

२१ साल की मॉडल के साथ रेप करने के मामले में डॉक्टर गिरफ्तार, TV सीरियल में काम करने के दौरान हुई थी मुलाकात

मुंबई: मुंबई में एक डॉक्टर को २१ साल की एक मॉडल के साथ रेप करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया जब महिला एक टीवी सीरियल के लिए काम कर रही थी, तभी उनकी मुलाकात हुई थी। वे दोनों साथ रह रहे थे। सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर रवींद्र बडगुजर ने बताया कि, 'हमने महिला की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।' आरोपी एक दवा कंपनी में काम करता है।

इससे पहले मुंबई से एक और मामला सामने आया था, जिसमें अभिनेता करण ओबरॉय को उपनगर ओशिवरा में एक महिला के साथ कथित तौर पर बलात्कार और ब्लैकमेलिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया था कि महिला ने हाल ही में पुलिस में शिकायत दी थी कि ओबरॉय ने उसे विवाह का झांसा देकर, उसके साथ दुष्कर्म किया। उसके २०१६ से ओबरॉय के साथ संबंध थे। हालांकि मुंबई कोर्ट ने करण को ९ मई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया।

साथ ही अधिकारी ने बताया था कि उसने महिला के कुछ आपत्तिजनक वीडियो भी बनाए और क्लिप सार्वजनिक करने की धमकी देकर उससे धन भी ऐंठा। शिकायत के आधार पर ओबेरॉय को रविवार को गिरफ्तार करके उसपर भारतीय दंड संहिता की धारा ३७६ (बलात्कार) और ३८४ (धन ऐंठना) के तहत मामला दर्ज कर लिया।

ओशिवरा के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शैलेश पासलवाड ने यह जानकारी दी. ओबेरॉय कुछ लोकप्रिय टीवी धारावाहिकों "जस्सी जैसी कोई नहीं" और "इनसाइड एज" में काम कर चुके हैं. वह कार, बाइक और रेडिमेंट गार्मेंट्स से जुड़े विज्ञापनों में कार्य कर चुके हैं.

पुलिसवाला समझकर जिससे शादी की, वह निकला चौकीदार

ठाणे : सोशल मीडिया पर युवक को पुलिस की वर्दी में देखकर एक युवती ने उससे शादी कर ली। बाद में युवती को उस पर शक हुआ और जांच की तो पता चला कि युवक पुलिस में नहीं है, बल्कि चौकीदार है।

ठगा महसूस कर रही युवती ने ठाणे के अंबरनाथ के शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया। इसके बाद नकली पुलिस बने इस चौकीदार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, चौकीदार किरण शिंदे ने पुलिस की वर्दी में फोटो क्लिक कराकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिए। उसकी इस फोटो से एक युवती प्रभावित हो

गई। इसके बाद दोनों में दोस्ती हो गई और युवती ने किरण शिंदे से शादी कर ली। शादी के एक महीने बाद युवती को लगा कि उसका पति पुलिस में नहीं है। इस पर युवती मुंबई पुलिस कमिश्नर से मिली और जानकारी की तो उसका शक सही निकला। युवती को पता चला कि किरण शिंदे पुलिस में नहीं है, बल्कि चौकीदार है।

किरण शिंदे ने मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच का नकली पहचान पत्र भी तैयार करवा लिया था और इसके सहारे उसने बहुत लोगों को फंसाया भी था। पत्नी की शिकायत पर किरण शिंदे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने शिंदे को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने किरण को ९ मई तक पुलिस कस्टडी में रखने का आदेश दिया है।

न्यूड फोटो के जरिए ब्लैकमेल कर रहे थे रूममेट, युवक ने की खुदकुशी

मेट्रो दिनांक संवाददाता

मुंबई : महाराष्ट्र के पालघर जिले में २४ साल के एक युवक ने अपने किराए के फ्लैट में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना वनगांव इलाके की है। बताया जा रहा है कि शराब पार्टी के दौरान युवक के दो रूममेट ने उसकी नग्न (न्यूड) तस्वीरें ले ली थीं। न्यूड फोटो के जरिए वे राहुल मिश्रा नाम के युवक को लगातार ब्लैकमेल कर रहे थे। इसी के बाद सोमवार को युवक ने खुदकुशी का कदम उठा लिया। वनगांव पुलिस ने इस मामले में ऐक्सिडेंटल डेथ (दुर्घटनावश मृत्यु) का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो राहुल फ्लैट की छत से लटका हुआ पाया गया। राहुल के कमरे से कोई सूइसाइड नोट नहीं बरामद हुआ है। पुलिस अब उसके रूममेट्स से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि किसके मोबाइल

फोन में न्यूड तस्वीरें मौजूद हैं। मृतक राहुल मिश्रा अपने दो रूममेट के साथ बोइसर एमआईडीसी की एक दवा कंपनी में काम करता था। पहले राहुल को लगा कि उसके रूममेट न्यूड तस्वीरों के नाम पर मजाक कर रहे हैं और उसने दोनों से तस्वीरें डिलीट करने को कहा। लेकिन रूममेट ने पैसों के लिए उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। यही नहीं पैसे न देने की सूरत में न्यूड फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी भी दी। पुलिस ने राहुल के दोनों रूममेट का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। उनके मोबाइल फोन में रोहित का वह मेसेज भी है जिसमें उसने तस्वीरों को डिलीट करने की गुहार लगाई थी।

प्रेम में बाधा बने माता–पिता से मिलेगी सुरक्षा,बॉम्बे हाई कोर्ट ने दिया आदेश

सुरेश वाकडे

मुंबई : दूसरी जाति के लड़के से प्रेम करने वाली युवती को बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुरक्षा प्रदान करने का आदेश दिया है। दरअसल युवती को अपने माता-पिता से खुद की और प्रेमी की जान को खतरा है। इसके लिए उसे बॉम्बे हाई कोर्ट की शरण में जाना पड़ा। इस मामले में मंगलवार को हाई कोर्ट ने लड़की की शिकायत दर्ज कर उसे सुरक्षा प्रदान करने के लिए तलेगांव पुलिस को निर्देश दिया।

यह मामला पुणे की तलेगांव पुलिस थाने के अंतर्गत का है। १९ वर्षीय लड़की एक कॉलेज में पढ़ती है। इसी दौरान उसे अपने से निचली जाति के लड़के से प्यार हो गया। उसके माता-पिता को अपने बेटी का यह प्रेम प्रसंग नागवार गुजरा और वे इसका विरोध करने लगे। इससे तंग आकर लड़की ने एक बार आत्महत्या की कोशिश भी की,

लेकिन वह बच गई। आखिरकार उसने अपनी और अपने प्रेमी की सुरक्षा के लिए वकील नितिन सातपुते के जरिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की। इस मामले में मंगलवार को सुनवाई हुई। लड़की की तरफ से याचिका में कहा गया कि उसके अंतरजातीय लड़के से प्रेम का माता-पिता का विरोध है। अगर वह अपने प्रेमी से विवाह करती है, दोनों की जान को खतरा हो सकता है इसीलिए उन्हें सुरक्षा मुहैया कराया जाए।

याचिका में कहा गया था कि अगर लड़का गरीब होगा, तो भी वह सुखी रहेगी। किसके साथ रहना है, यह निर्णय लेने का अधिकार उसे है, इसलिए उसे माता-पिता और अन्य रिश्तेदारों से संरक्षण दिया जाए।

डॉक्टरों की बेरोजगारी, स्वास्थ्य सेवाएं गड़बड़ाई

मुंबई : मनपा द्वारा संचालित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल तथा महाराष्ट्र सरकार द्वारा संचालित सिविल अस्पताल में आनेवाले हजारों गरीब मरीजों का इलाज कैसे किया जाता है? यह हर कोई जानता है। दिवा, मुंब्रा, कलवा, वागले इस्टेट, लोकमान्य नगर तथा कोपरी आदि परिसरों में चलनेवाले करीब सभी निजी अस्पताल अवैध घोषित हो चुके हैं। अस्पतालों पर ताले लटक रहे हैं। सैकड़ों की संख्या में भर्ती मरीजों को सरकारी अस्पतालों में भेजा जा रहा है या उन निजी अस्पतालों में जहां महंगे इलाज हो रहे हैं। दिवा से लेकर कोपरी तक के भागों में एक भी ढंग का सरकारी अस्पताल नहीं है। इस संबंध में दिवा स्थित जीवदानी अस्पताल तथा किसन नगर स्थित ऑर्बिट अस्पताल के संचालक एवं डॉक्टर्स यूनियन के अध्यक्ष डॉ. पीएस पांडेय ने बताया कि जिन ८१ अस्पतालों को अवैध घोषित कर दिया गया है, उनमें गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के मरीजों का इलाज कम पैसे में हो जाता था। अब इसका गहरा असर सरकारी अस्पतालों पर पड़ेगा और स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। इसके अलावा अस्पतालों में कार्यरत सैकड़ों डॉक्टर, नर्स तथा अन्य स्टाफ बेरोजगार हो गए हैं। उन्होंने बताया कि 'डॉक्टर्स एसोसिएशन' की तरफ से कोर्ट में एक याचिका दायर की जानेवाली है। कोर्ट का यह आदेश सिर्फ ठाणे शहर के लिए लागू है जबकि बिना एनओसी के मुंबई सहित पूरे देश में हजारों की संख्या में अस्पताल चल रहे हैं।

भ्रष्टाचार पर लगाम ऑनलाइन तबादलों से लगेगी

मुंबई : मुंबई पुलिस में पहली बार एक नई व्यवस्था लागू की जा रही है। इसके तहत पुलिस वालों को अपने तबादले के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इससे पुलिस वालों के तबादलों में होने वाले विलंब और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सकेगी। मिली खबरों के मुताबिक, मुंबई पुलिस आयुक्त ने यह फैसला लिया है कि पुलिस में सिपाही से लेकर सहायक पुलिस उप निरीक्षक पद तक के कर्मचारियों को यह सुविधा दी जाएगी। बता दें कि मुंबई पुलिस में भर्ती के लिए तो ऑनलाइन प्रक्रिया अमल में लाई जाती है, लेकिन तबादलों के लिए ऑफलाइन प्रक्रिया ही चली आ रही है। पुलिस विभाग में हर साल हजारों कर्मचारियों का तबादला इधर से उधर होता है। इनमें ज्यादातर वे कर्मचारी होते हैं, जिनका कार्यकाल एक जगह पर पूरा हो चुका होता है। इनमें भी सबसे ज्यादा संख्या उन लोगों की होती है जो अपनी मनचाही जगह पर अपना तबादला कराना चाहते हैं। इसके लिए बड़े पैमाने पर राजनीतिक और वरिष्ठ अधिकारियों का दबाव और पैसे के लेनदेन की शिकायतें सामने आती हैं। जब पुलिस वालों के तबादलों का समय आता है, तब पुलिस मुख्यालय में भी काफी गहमागहमी दिखाई देती है। इस सब से निजात पाने के लिए पुलिस वालों के तबादलों की ऑनलाइन प्रक्रिया को शुरू किया

मोदी को थप्पड़ मारने का मन करता है - ममता बनर्जी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला. ममता ने कहा कि उनका पीएम मोदी को थप्पड़ मारने का मन करता है. मैंने ऐसा झूठा प्रधानमंत्री नहीं देखा. जब चुनाव आते हैं तो राम नाम जपने लगते हैं. मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोलते हुए ममता बनर्जी ने कहा, ''५ साल पहले उन्होंने अच्छे दिनों की बात की थी, लेकिन बाद में नोटबंदी कर दी. वह संविधान भी बदल देंगे.'' ममता ने कहा, ''मैं बीजेपी के नारों में विश्वास नहीं रखती. पैसा मेरे लिए कोई मायने

नहीं रखता. लेकिन जब नरेंद्र मोदी बंगाल आकर कहते हैं कि टीएमसी लुटेरों से भरी पड़ी है तो मुझे उन्हें थप्पड़ मारने का मन हुआ.''

'नरेंद्र मोदी से नहीं डरती'

पुरुलिया में टीएमसी सरकार की उपलब्धियां बताते हुए ममता ने कहा, ''क्या पीएम मोदी पुरुलिया के आदिवासी गांवों के बारे में जानते हैं? अब तक यहां ३०० आईटीआई कॉलेज बनवाए जा चुके हैं. दिल्ली में मोदी ५ साल से हैं. मैंने बहुत संघर्ष किया है. मैं खुद को बेचकर राजनीति नहीं करती. मैं मोदी से नहीं डरती, क्योंकि मैं इस तरह की ही जिंदगी जीती हूं.

'दंगा फैलाने की कर रहे कोशिश'

ममता ने आगे कहा, मोदी जैसा झूठा मैंने आजतक नहीं देखा. असम में २२ लाख बंगालियों के नाम काट दिए गए. महाराष्ट्र और यूपी से बिहारियों को खदेड़ दिया गया. अब वह बंगाल में भी एनआरसी की बात करते हैं. ममता ने कहा, प्राकृतिक आपदा और बाढ़ के समय मोदी बंगाल नहीं आते.

हाईकोर्ट के आदेश पर ८१ अस्पताल

मुंबई : अवैध इमारतों में फायर एनओसी के बिना चल रहे ८१ अस्पताल एक झटके से बंद हो गए या उसे सील कर दिया गया है। मुंबई हाईकोर्ट के आदेश पर ठाणे मनपा द्वारा की गई इस कार्रवाई से शहर की स्वास्थ्य सेवाओं का पूरी तरह चरमरा जाने का खतरा उत्पन्न हो गया है। अस्पतालों के बंद होने पर गंभीर संकट से निपटने के लिए मनपा मुख्यालय में लगातार बैठकों का दौर जारी है। उल्लेखनीय है कि ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र अंतर्गत कुल ३७५ अस्पताल एवं नरसिंग होम हैं। इनमें से ८१ अस्पताल एवं नरसिंग होम ऐसे हैं, जो अवैध इमारतों में चल रहे हैं। इनके पास मनपा की न तो ओसी है और न ही अग्निशमन विभाग की एनओसी। पिछले वर्ष एक अस्पताल में आग लगने की घटना के बाद मनपा ने सभी अस्पतालों को फायर एनओसी लेने का नोटिस जारी किया था पर उन अस्पतालों को फायर एनओसी तब तक नहीं मिल सकता है जब तक कि मनपा उन्हें उस इमारत की ओसी न दे दे। मनपा इमारत की ओसी इसलिए नहीं दे सकती क्योंकि उस इमारत का निर्माण मनपा

की मंजूरी लिए बिना ही किया गया है।

पहले एनओसी लाओ फिर अस्पताल चलाओ

शहर में चल रहे अवैध अस्पतालों के विरुद्ध सपन श्रीवास्तव नामक एक याचिकाकर्ता ने मुंबई हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की थी।

इस याचिका में मनपा को प्रतिवादी बनाया गया था। इस मामले की अंतिम सुनवाई मुख्य न्यायाधीश पीएन जोग तथा एनएम जमादार की अदालत में हुई। फायर प्रिवेंशन एंड लाइफ सेफ्टी एक्ट २००६ के नियम २००९ के तहत कोर्ट ने मनपा प्रशासन को एनओसी विहीन सभी अवैध अस्पतालों को बंद करने का आदेश दे दिया। कोर्ट के आदेश पर मनपा सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग तथा अग्निशमन विभाग ने अवैध अस्पतालों को नोटिस जारी किया, जिसमें ४८ घंटे के अंदर फायर एनओसी लेने या अस्पताल में भर्ती मरीजों को सरकारी या गैरसरकारी अस्पताल स्थानांतरित कर अस्पताल को बंद करने का निर्देश दिया गया था। नोटिस का पालन न करने पर अस्पतालों को सील करने की चेतावनी दी गई थी। अस्पताल को सील होने से बचाने के लिए शहर के सभी ८१ अस्पतालों के संचालक डॉक्टरों ने अस्पताल को बंद कर इसकी लिखित जानकारी मनपा स्वास्थ्य विभाग को दे दी है।

दसवीं में दिखा दम, ५ साल बाद बढ़ा सफलता प्रतिशत

मुंबई : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षण मंडल (सीबीएसई) द्वारा ली गई दसवीं की परीक्षा में विद्यार्थियों का दम देखने को मिला। ५ साल बाद सफलता प्रतिशत में ४.४० प्रतिशत से बढ़ोत्तरी हुई है। सीबीएसई बोर्ड में उत्तीर्ण होनेवाले विद्यार्थियों का औसतन प्रतिशत ९१.१० है। पूरे देश में ५०० अंकों में से ४९९ अंक पानेवाले कुल १३ विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान हासिल किया है, तो वहीं ४९७ अंक पाकर तीसरे स्थान पर आनेवाले विद्यार्थियों में कुल ५८ विद्यार्थियों में से ठाणे के आद्री दास, धात्री मेहता और नेरुल की दीपस्ना पांडा के नाम का समावेश है। बता दें कि दसवीं की परीक्षा में बैठनेवाले कुल १७ लाख ६१ हजार ७८ विद्यार्थियों में से १६ लाख ४ हजार ४२८ विद्यार्थी ही उत्तीर्ण हो पाए हैं। पिछले वर्ष उत्तीर्ण होनेवाले विद्यार्थियों की संख्या की तुलना में इस वर्ष पास होनेवाले विद्यार्थियों की संख्या में १ लाख ६४ हजार ८३४ की वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष का औसतन परिणाम ८६.७० प्रतिशत था। ९९.८५ प्रतिशत के साथ सबसे अधिक परिणाम त्रिवेंद्रम विभाग का है जबकि चेन्नई विभाग के अंतर्गत आनेवाले मुंबई विभाग का सफलता प्रतिशत ९९ प्रतिशत रहा। बारहवीं की तरह दसवीं में भी लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से काफी अच्छा रहा है। लड़कियों का सफलता प्रतिशत ९२.४५ और लड़कों का ९०.१४ प्रतिशत रहा। ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों का सफलता प्रतिशत में भी लगभग १० प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है।

चारा छावनियों में पशुओं की हाजिरी के लिए तैयार किया गया ऐप

मुंबई : चारा छावनियों में पशुओं की उपस्थिति की जानकारी मोबाइल बताएगा। एक ऐसा ऐप तैयार किया गया है। इस समय राज्य के अहमदनगर, बीड, उस्मानाबाद, लातूर, औरंगाबाद, सातारा, सोलापुर, सांगली, जालना, परभणी, हिंगोली और पुणे जिलों में सूखाग्रस्त १,२८४ राहत शिविर और छावनियां लगाई गई है। इन छावनियों में छोटे-बड़े मिलाकर ८ लाख ५५ हजार ५१३ पशु हैं। पुणे, सातारा, सांगली और औरंगाबाद जैसे चार जिलों में स्वयंसेवी संस्थाओं ने स्वेच्छा एवं स्वखर्च से छह छावनियां शुरू की हैं। चारा छावनियों में रहने वाले जानवरों के लिए सरकार प्रति जानवर १५ से १८ किलोग्राम हरा चारा व गन्ना दिया जाता है, जबकि छोटे पशुओं को ७.५ किलो हरा चारा व गन्ना दिया जा रहा था। अब सरकार ने ९ किलो प्रतिदिन चारा बढ़ाने का निर्णय लिया है।

सूखे पर घिरे शरद पवार

मुंबई : महाराष्ट्र में सूखे को लेकर एनसीपी चीफ प्रमुख शरद पवार ने समीक्षा बैठक क्या की, फडणवीस सरकार के मंत्री पवार पर टूट पड़े। बीजेपी मंत्रियों का साथ शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने दिया। सरकार की ओर से पवार पर राजनीति करने का आरोप ही नहीं लगाया बल्कि आज के हालात के लिए पवार को दोषी भी ठहराया। सरकार के समर्थन में उतरी शिवसेना ने पवार से पूछा कि उनके शासनकाल में जब राज्य में सूख पड़ा था, तब पवार ने क्या उपाय किए थे? पार्टी ने मुखपत्र के माध्यम से पवार पर तंज कसते हुए कहा कि पवार को किसान, पानी और सूखे की अच्छी जानकारी है, क्योंकि कई सालों तक पवार केंद्र में कृषि मंत्री रहे हैं। इसके बाद भी पवार ने सूखे से निपटने के लिए आघाडी शासनकाल में कुछ काम नहीं किया।

मुखपत्र ने फडणवीस सरकार की जलयुक्त शिवार योजना की सराहना करते हुए लिखा कि सत्ताधारी पार्टी ने सूखे से निपटने के लिए इस तरह की योजनाओं को क्यों पहले शुरू नहीं किया। उल्टे इनके पार्टी की सरकार ने सिंचाई की योजनाओं में घोटाले ही किए। अब वही पवार सूखे पर राजनीति कर रहे हैं। शिवसेना के मुखपत्र ने सरकार की पीठ थपथपाते हुए लिखा कि सूखे से निपटने में यह सरकार अच्छा काम कर ही है, लेकिन विपक्ष राजनीति कर रहा है।

गैरसरकारी संस्थाओं से मदद की दरकार

राज्य के वित्तमंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने गैरसरकारी संस्थाओं से अपील की है कि वे सूखे की मार झेल रहे किसानों की मदद के लिए आगे आएं। इससे किसानों को बड़ी राहत मिल सकती है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों पानी की आपूर्ति के लिए ट्रेनों की आवश्यकता होगी, वहां ट्रेन भी पानी भेजने की व्यवस्था की जाएगी, फिलहाल ऐसी कोई मांग नहीं है। पवार के बयान पर वित्तमंत्री ने कहा कि सूखे से निपटने में उनका बड़ा अनुभव रहा है। उसका फायदा किसानों में हितों के लिए होना चाहिए, लेकिन वे सूखे पर राजनीतिक कर रहे हैं।

पवार ने कहा क्या था?

राज्य में सूखे की हालात पर शनिवार को राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने एक समीक्षा बैठक की थी जिमसें उनकी पार्टी के पदाधिकारी व अन्य गणमान्य लोग शामिल थे। बैठक के बाद उन्होंने फडणवीस सरकार पर आरोप लगाया कि राज्य सरकार सूखे से निपटने में विफल है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री को एक चिट्ठी भी लिखी है और कहा कि सूखाग्रस्त इलाकों के उनके दौरे के बाद ही राज्य सरकार नींद से जागी है। पवार का यह बयान सत्तापक्ष को अखर गया।

पुलवामा का जिक्र न करने पर विदेश मंत्रालय ने कहा, मसूद पर बैन लगाना था मकसद

पुलवामा और उरी समेत कई आतंकी हमलों के गुनहगार जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित किए जाने पर विदेश मंत्रालय ने खुशी जाहिर की है. हालांकि जब उनसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद फैसले में पुलवामा आतंकी हमले का जिक्र नहीं किए जाने का सवाल किया गया, तो विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित किया जाना पाकिस्तान के लिए तगड़ा झटका है. यह पाकिस्तान की बड़ी कूटनीतिक हार है. अब इससे ध्यान भटकाने के लिए तरह-तरह की बातें कही जा रही हैं.

उन्होंने कहा कि मसूद अजहर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने प्रतिबंध लगाया है. यह प्रतिबंध मसूद अजहर की आतंकी गतिविधियों का बायोडाटा नहीं है. मसूद अजहर को सिर्फ एक ही नहीं, बल्कि कई आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के आरोप में प्रतिबंधित किया गया है. हमारा मकसद किसी भी तरह मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित कराने का था, जिसमें हम सफल रहे. दरअसल, १४ फरवरी को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आतंकी हमला हुआ था, जिसमें ४० से ज्यादा जवान शहीद हो गए थे. इस हमले की जिम्मेदारी खूंखार आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी. इसके बाद भारत ने पाकिस्तान के बालाकोट में घुसकर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी ठिकानों पर हमला किया था. साथ ही जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित कराने के लिए कोशिश तेज की थी. अब भारत ने मसूद को वैश्विक आतंकी घोषित कराने में सफलता हासिल कर ली है.

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित किए जाने के फैसले का न स्वागत कर सकता है और न ही आलोचना कर सकता है. उसके पास सिर्फ कुछ खामियां गिनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है. उन्होंने कहा, 'हम आतंकवाद और देश की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर किसी भी देश से समझौता नहीं करते

मुद्रक, प्रकाशक - मंजू दीनानाथ तिवारी, स्वामी एवं संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस गाला नं.3-4, अमीन इंडस्ट्रीयल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 63 से मुद्रित तथा जय बजरंगबली चाल कमेटी, गांधी नगर, कुरार विलेज, मालाड (पूर्व), मुंबई-97 से प्रकाशित। संपादक- दीनानाथ एम. तिवारी Mob. : 9004162915 / 70391 43986
RNI.No.:MAHHIN/2009/35355 संपर्क : टेलीफैक्स 022-29656280, मो. 9821287905, 9322248353-9167009629 Email : metrodinank@gmail.com